



# नेपाल राजपत्र

## भाग ३

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

खण्ड २४] काठमाडौं, कात्तिक १६ गते २०३१ साल [संख्या २६

श्री ५ को सरकार

खाद्य, कृषि तथा सिचाई मन्त्रालयको  
सूचना

भूमिगत जलस्रोत विकास समिति (गठन) आदेश, २०३१

विकास समिति ऐन, २०१३ को दफा ३ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी श्री ५ को सरकारले देहायको आदेश जारी गरेको छ।

१. संक्षिप्त नाम र प्रारम्भ :- (१) यस आदेशको नाम “भूमिगत जलस्रोत विकास समिति (गठन) आदेश, २०३१” रहेको छ।

(२) यो आदेश तुरुन्त प्रारम्भ हुनेछ।

२. परिभाषा :- विषय वा प्रसंगले अर्को अर्थ नलागेमा यस आदेशमा-

“परियोजना” भन्नाले श्री ५ को सरकारबाट स्वीकृत भूमिगत जलस्रोत विकास परियोजना सम्झनुपर्छ।

३. समितिको गठन :- (१) भूमिगत जलस्रोत विकास समिति (यसपछि “समिति”

भनिएको) नामको एक समिति गठन गरिएको छ।

आधिकारिकतया मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

(२)

नेपाल राजपत्र भाग ३

(२) उप-दफा (१) बमोजिमको समितिमा देहायका अध्यक्ष र सदस्यहरू

हुनेछन् :-

- (क) सचिव, खाद्य कृषि तथा सिचाइ मन्त्रालय - - - अध्यक्ष
- (ख) प्रतिनिधि, अर्थ मन्त्रालय - - - सदस्य
- (ग) प्रतिनिधि, जल तथा विद्युत मन्त्रालय - - - सदस्य
- (घ) प्रतिनिधि, राष्ट्रिय योजना आयोगको सचिवालय - - सदस्य
- (ङ) प्रतिनिधि, कृषि विभाग - - - सदस्य
- (च) महानिर्देशक, सिचाइ तथा जलवायु विज्ञान विभाग - सदस्य
- (छ) परियोजना प्रमुख, भूमिगत जलस्रोत विकास योजना-सदस्य-सचिव

(३) श्री ५ को सरकारले आवश्यक ठानेमा नेपाल राजपत्रमा सूचना प्रकाशित गरी समितिका सदस्यहरूको संख्यामा थपघट वा नाममा हेरफेर गर्न सक्नेछ ।

(४) अध्यक्ष र सदस्य-सचिवको अतिरिक्त अरु तीन जना सदस्य उपस्थित भएमा समितिको गणपूरक संख्या पूरा भएको मानिनेछ ।

(५) समितिमा बहुमतको राय मान्य हुनेछ र मत बराबर भएमा अध्यक्षले निर्णायक मत दिन सक्नेछ ।

(६) समितिको आमन्त्रणमा श्री ५ को सरकारको कुनै अधिकृत, विदेशी सल्लाहकार वा विशेषज्ञ समितिको बैठकमा पर्यवेक्षकको रूपमा उपस्थित हुन सक्नेछ ।

समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार :- (१) परियोजना संचालन गर्नु समितिको मुख्य कर्तव्य हुनेछ ।

(२) उपदफा (१) को उद्देश्य पुतिको लागि समितिले देहायका कामहरू गर्नेछ :-

- (क) नेपाल अधिराज्यको भूमिगत जलस्रोतको अन्वेषणको साथै सिचाइ, खानेपानी वा अन्य उपयोगको लागि नल कूप निर्माण गर्ने,
- (ख) सिचाइमा प्रयोग हुने नल कूपहरूको संचालन, पानीको वितरण व्यवस्था आफैले वा अन्य कुनै संस्थाबाट गर्ने गराउने,
- (ग) परियोजना कार्यान्वित गर्न घर जग्गा बहालमा लिने,
- (घ) परियोजना कार्यान्वयनको लागि अन्य आवश्यक कार्यहरू गर्ने ।

समितिको कोष र आर्थिक कारोबार :- (१) समितिको कार्य संचालनको लागि

पुडटा कोष हुनेछ जसमा देहायका सदस्यहरू रहुनेछन् :-  
आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

(क) श्री ५ को सरकारबाट प्राप्त रकम,

(ख) श्री ५ को सरकारमार्फत अन्य कुनै स्रोतबाट प्राप्त सहायक रकम वा ऋण ।

(२) उपदफा (१) बमोजिमको कोषको संचालन समितिले बनाएको नियम बमोजिम हुनेछ ।

(३) समिले बनाएको नियममा तोकिएबमोजिम समितिको आय-व्यय लेखा राखिनेछ ।

६. लेखापरीक्षण :- (१) समितिको लेखापरीक्षण प्रचलित नेपाल कानूनबमोजिम हुनेछ

(२) श्री ५ को सरकारले चाहेमा जुनसुकै बखतपनि समितिको हिसाब किताब जाँचन जचाउन सक्नेछ ।

७. अधिकार प्रत्यायोजन गर्न सकिने:- समितिले आफ्नो सबै वा केही अधिकार समितिको कुनै सदस्य वा सदस्यहरूको उप-समितिलाई प्रत्यायोजन गर्न सक्नेछ ।

८. समितिको कार्य व्यवस्था:- (१) सदस्य-सचिवले समितिको निर्देशानुसार समितिको तर्फबाट समितिको ठेक्कापट्टासम्बन्धी सबै काम गर्नेछ र त्यसरी गरिएको ठेक्कापट्टा समितिले गरेको मानिनेछ ।

(२) सदस्य-सचिवले समितिको दैनिक कार्य सञ्चालन स्तरको सबै काम गर्नेछ र समितिको निर्णय वा आदेशहरू प्रमाणित गर्नेछ ।

९. श्री ५ को सरकारसँग सम्पर्क:- समितिले श्री ५ को सरकारसँग सम्पर्क राख्दा खाद्य कृषि तथा सिचाई मन्त्रालय, सिचाई तथा जलवायु विज्ञान विभागमार्फत सम्पर्क राख्नु पर्छ ।

१०. नियमहरू बनाउन सक्ने:- समितिले आफ्नो कार्य सञ्चालनको लागि आवश्यक नियमहरू बनाउन सक्नेछ र त्यसरी बनाइएका नियमहरूमा श्री ५ को सरकारको स्वीकृति लिनु पर्नेछ ।

११. समितिको कार्यालय:- समितिको मुख्य कार्यालय काठमाडौँमा रहनेछ ।

१२. खारेजी र दायित्व:- (१) मिति ०२७।१।२६ को नेपाल राजपत्रमा प्रकाशित भूमिगत जलस्रोत सर्भेक्षण विकास समिति (गठन) आदेश, २०२६ लाई खारेज गरिएको छ ।

(२) उप-दफा (१) बमोजिम विघटित समितिको सम्पूर्ण जायज तथा दायित्व यस आदेश प्रसूतर्गत गठित समितिमा सनेछ ।

आज्ञाले-

कर्णध्वज अधिकारी

श्री ५ को सरकारको का. म. सचिव  
आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

3. 10. 1943

1/2 1/2 = 1/4

संस्कृत विद्यापीठ, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत

1. *Chlorophyll a* (Chl a) is the primary photosynthetic pigment in most plants and algae. It is a green pigment that absorbs light energy in the blue and red regions of the visible spectrum. Chl a is essential for the light-dependent reactions of photosynthesis, where it converts light energy into chemical energy in the form of ATP and NADPH.

... ..

विद्यार्थी विभाग २ डॉ. ए. ए. ए. विभाग २ डॉ. ए. ए. ए. विभाग २ डॉ. ए. ए. ए. विभाग २

संख्या-१९५७

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

המחלקה לבריאות הציבור, משרד הבריאות, תל אביב, ישראל

१००

137

संस्कृत-विद्यापीठ, मुंबई - ४०० ००५ - ०१

श्रीकृष्ण विद्यापीठ, पुणे, जि. महाराष्ट्र, मराठी विभाग, पुणे

१. हरिद्वार, १०-११-१९५७

70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894.

2

पुस्तक संख्या (1) 195-75 (9)

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

— 100 —

प्राचीन काल

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

262

आधिकारिकता मद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागू हुनेछ।